① Q. सूखा से आप क्या समझते हैं? बिहार के संदर्भ में इसके कारणों एवं परिणामों की विवेचना करें।

सूखा एक प्राकृतिक आपदा है जिसका संबंध बिहार की जलवायु से है सूखा या सूखाड़ का अर्थ मूलतः जल में कमी है भारतीय मौसम विभाग के अनुसार जिस क्षेत्र में 75 प्रतिशत से कम वर्षा होती है। वहाँ सूखा की स्थिति उत्पन्न होती है

राष्ट्रीय सिंचाई आयोग के अनुसार सूखा की स्थिति दो प्रकार से उत्पन्न हो सकती है-

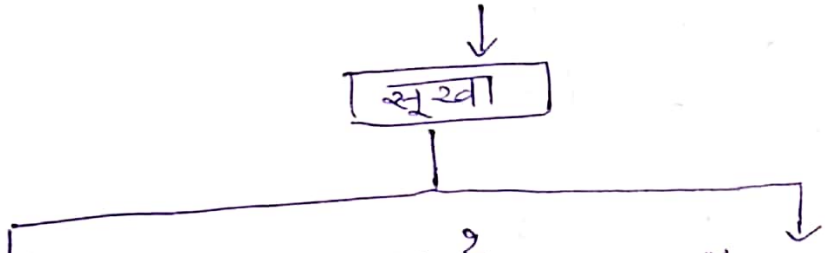

इस आधार पर बिहार के सूखाग्रस्त क्षेत्रों की पहचान की जा सकती है-

1. दक्षिणी बिहार :- नवादा, गया, औरंगाबाद, मुंगेर, जमुई भोजपुर, रोहतास आदि

Scanned by CamScanner

(iv) उत्तरी बिहार :- वैशाली, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, मधुबनी सारण इत्यादि।

सूखाड़ के आगमन के कारकों को दो रूपों में विभाजित किया जा सकता है-

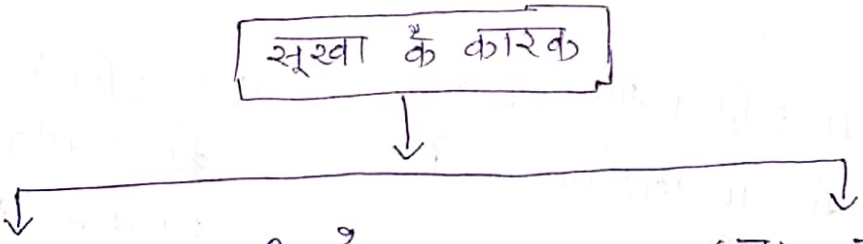

(क) मानसून के उत्पत्ति से संबंधी कारक :- सूखे की उत्पत्ति का मूल कारण मानसूनी हवाओं की अनिश्चित है। ब्रिटिश मौसम विज्ञान के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप में प्रत्येक 4 साल आकाल व सूखे की स्थिति और

Scanned by CamScanner

प्रत्येक २० वें साल में महाअकाल की स्थिति उत्पन्न होती है।

- एलनीनो द्वारा प्रत्येक तीन-चार वर्ष के बाद प्रशान्त महासागर में जल बहुत गर्म हो जाता है जिससे निम्नदाब कटिबंध का निर्माण होता है इस समय हिन्दमहासागर के उच्चभार कटिबंध से हवाएँ प्रशांत के निम्नभार कटिबंध की ओर आकर्षित हो जाती है और ये भारतीय उपमहाद्वीप पर नहीं पहुँच पाती है इससे सूखे की स्थिति उत्पन्न होती है।

- वैज्ञानिकों के अनुसार जेटस्ट्रीम हवाओं के अनिश्चित होने के कारण मौनसूनी हवाएँ अनिश्चित हो जाती है।

- तापीय विषुवत रेखा जब कर्क रेखा के दक्षिण होती है तो भारत में सूखे की अधिक संभावना अधिक होती है।

2. अन्य कारक :- (i) अन्य कारकों में वनों के ह्रास के कारण भी सूखा की स्थिति उत्पन्न होती है।

Scanned by CamScanner

बिहार के मात्र 6.64% क्षेत्र में वन पाये जाए है जबकि पर्याप्त वर्षा के लिए एक-तिहाई भूमि पर वन होना आवश्यक है वनो के ह्रास से वायुमंडल की आर्द्रता में कमी आयी है और वर्षा की मात्रा प्रभावित हुई है

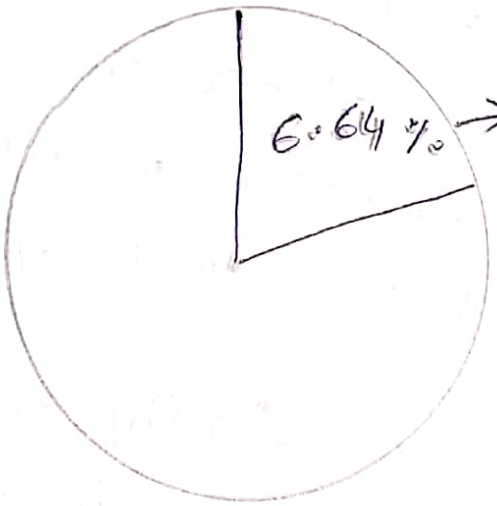

(ii) सूखे की स्थिति में मृदाक्षरण
(iii) परती भूमि का विकास
(iv) तापमान में वृद्धि
(v) भूमिगत जल स्तर का नीचे होना।

⇒ <u>सूखे का परिणाम</u> :- सूखा से न केवल फसल की हानि होती है बल्कि खाद्यान्न की आपूर्ति भी कठिन हो जाती है मवेशी के लिए चारा की कमी हो जाती है

Scanned by CamScanner

जलस्तर नीचे चला जाता है और पेय जल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है सूखे से आग लगने की बारंबारता अधिक होती है वही सूखे के कारण निम्नस्तरीय भोजन से विभिन्न प्रकार के बीमारियाँ उत्पन्न हो जाती हो इससे कानूनी व्यवस्था में गिरावट आती है और प्रशासनिक जटिलता उत्पन्न हो जाती है

⇒ उपाय :- सूखे से बचाव के लिए सिंचाई साधनों का विकास किया जाना चाहिए। इसके लिए डीजल पंप सेट, ट्यूबवेल, डीप सिंचाई न छिड़काव सिंचाई को व्यवस्था करनी चाहिए। इसके लिए Rain water harvesting एवं water shade कार्यक्रम को लागू करने की जरूरी है दूसरी व्यवस्था नदी जोड़ने की योजना को क्रियान्वित करने की।

निष्कर्ष :- अतः हम कह सकते हैं कि बिहार के कुछ भाग बाढ़ और सूखा से प्रकोपों से प्रभावित रहते हैं इस समस्या का स्थायी समाधान आवश्यक है जबतक इस समस्या का समाधान

Scanned by CamScanner

नहीं होगा तबतक बिहार के लोग अपने आश्रय को कोसते रहेंगे। और अन्य राज्यों में पलायन करते रहेंगे।

Scanned by CamScanner